न्यू यॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग पुस्तक
द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप के लेखक

जॉन सी. मैक्सवेल

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र

जिन्हें हर लीडर को जानना ही चाहिए

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

Hindi translation of *Leadership 101*

न्यू यॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग पुस्तक
द 21 इररिफ़्यूटेबल लॉज़ ऑफ़ लीडरशिप के लेखक

जॉन सी. मैक्सवेल

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र

जिन्हें हर लीडर को जानना ही चाहिए

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

Hindi translation of *Leadership 101*

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र

जिन्हें हर लीडर को जानना ही चाहिए

जॉन सी. मैक्सवेल

अनुवाद : डॉ. सुधीर दीक्षित

मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

Manjul Publishing House

Corporate and Editorial Office

• 2nd Floor, Usha Preet Complex,
42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 - Indaia

Sales and Marketing Office

• 7/32, Ground Floor, Ansari Road,
Daryaganj, New Delhi 110 002 - India

Website : www.manjulindia.com

Distribution Centres

Ahmedabad, Bengaluru, Bhopal, Kolkata, Chennai,
Hyderabad, Mumbai, New Delhi, Pune

Hindi translation of
Leadership 101 by *John C. Maxwell*

Originally Published in the USA under title : Leadership 101
Copyright © 2002 by Marwell Motivation Inc.
Published by permission of Thomas Nelson,
Nashville, Tennessee,, USA
www.thomasnelson.com

All rights reserved.
Further reproduction or distribution is prohibited.

This edition first published in 2014
Third impression 2016

ISBN 978-81-8322-433-8

Translation by Dr. Sudhir Dixit

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic,, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

अनुक्रमणिका

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र किसलिए?

खंड 1 : लीडर का विकास

1. मुझे लीडर के रूप में विकास क्यों करना चाहिए?
2. मैं लीडर के रूप में कैसे विकास कर सकता हूँ?

खंड 2 : लीडर के गुण

3. मैं कैसे अनुशासित बन सकता हूँ?
4. मुझे अपने जीवन की प्राथमिकताएँ कैसे तय करनी चाहिए?
5. मैं विश्वास कैसे विकसित करूँ?
6. मैं अपनी भविष्य – दृष्टि को अच्छी तरह कैसे संप्रेषित कर सकता हूँ?

खंड 3 : लीडर का प्रभाव

7. प्रभाव महत्त्वपूर्ण क्यों है?
8. प्रभाव कैसे काम करता है?
9. मैं अपने प्रभाव का विस्तार कैसे कर सकता हूँ?
10. मैं अपने नेतृत्व को स्थायी कैसे बना सकता हूँ?

लेखक के बारे में

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र किसलिए?

प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र में आपका स्वागत है ! आप आश्चर्य कर रहे होंगे कि मैं नेतृत्व पर एक और पुस्तक क्यों लिख रहा हूँ । आइए, मैं आपको एक प्रसंग बताता हूँ, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र किन परिस्थितियों में लिखी गई और हमने इसे क्यों प्रकाशित किया ।

हर साल मुझे नैशतिल, टेनेसी में थॉमस नेल्सन पब्लिशर्स के कर्मचारियों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है और मुझे वहाँ जाने में खुशी होती है । मैं अपने प्रकाशकों को अपना पार्टनर मानता हूँ और एक दशक से थॉमस नेल्सन मेरा एक अच्छा पार्टनर रहा है ।

हाल की यात्रा के दौरान मुझे प्रकाशक के सभी कर्मचारियों – प्रेसिडेंट्स से लेकर वेयरहाउस के कामगारों तक — से बात करने का मौक़ा मिला और मैंने उन्हें बताया कि मैं पुस्तकें क्यों लिखता हूँ । मैंने उन्हें स्पष्ट किया कि मैं ऐसा इसलिए करता हूँ, क्योंकि मैं सफल होने में लोगों की मदद करना चाहता हूँ । और मैं मानता हूँ कि जीवन में सफल होने के लिए किसी इंसान के पास चार क्षेत्रों संबंध , सामर्थ्य, नज़रिया और नेतृत्व — की योग्यताओं में महारत होना ज़रूरी है । इन्हीं चार विषयों पर मैं पुस्तकें लिखता हूँ और इसीलिए मैं कहता हूँ कि कोई भी इंसान सचमुच सफल हो सकता है ।

संबोधन समाप्त होने के बाद थॉमस नेल्सन के प्रकाशक माइक हायट और बैकलिस्ट डेवलपमेंट के वाइस प्रेसिडेंट पीट निकोलाई मेरे पास आए और बोले, “ जॉन, पाठक हमेशा छोटी पुस्तकों के बारे में पूछते रहते हैं, जिसे वे एक बार में बैठकर पूरी पढ़ सकें । आपको इनमें से प्रत्येक विषय पर कोई ऐसी छोटी पुस्तक लिखनी चाहिए, जिसे आसानी से पढ़ा जा सके । और आपको उस विषय से शुरुआत करनी चाहिए, जिसकी बदौलत, आपकी पुस्तकें द *न्यू यॉर्क टाइम्स और बिज़नेस वीक की* बेस्टसेलर सूचियों में पहुँची थीं – लीडरशिप । ’’

उन्होंने जो कहा था, वह वाक़ई सच है । लोगों का जीवन बहुत व्यस्त है। उनका समय मूल्यवान है, लेकिन इसके बावजूद वे अत्यधिक जानकारी के बोझ से दबे जा रहे हैं । क्या आप जानते हैं कि जितनी जानकारी पिछले पाँच हज़ार सालों में उत्पन्न हुई थी, उससे अधिक नई जानकारी पिछले तीस वर्षों में उत्पन्न हो चुकी है? *न्यू यॉर्क टाइम्स* के वीकडे एडिशन में इतनी जानकारी रहती है, जितनी कि सत्रहवीं सदी के इंग्लैंड में रहने वाले आम आदमी को जीवन भर में भी नहीं मिलती । संसार में उपलब्ध जानकारी की मात्रा पिछले पाँच साल में दोगुनी हो गई है और यह आगे भी दोगुनी होती रहेगी ।

इसीलिए हमने *प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र* लिखी है । यह चार पुस्तकों की शृँखला में पहली पुस्तक है, जो आपको "संक्षिप्त पाठ्यक्रम" के ज़रिये बताएगी कि सचमुच सफल होने के लिए क्या ज़रूरी है । *प्रभावशाली लीडरशिप के सूत्र* में मैंने वह सारी जानकारी इकट्ठी की है, जो आपको ज़मीनी नेतृत्व में सफल होने के लिए जानना चाहिए । इस पुस्तक में तीस वर्ष से अधिक समय तक हासिल नेतृत्व अनुभव की अनिवार्य बातें शामिल हैं । यह नेतृत्व को परिभाषित करती है । यह उन गुणों को बताती है, जिन्हें हर लीडर को विकसित करना चाहिए । साथ ही, बताती है कि नेतृत्व कला का आपके जीवन और आपके नेतृत्व में चलने वाले लोगों के जीवन पर क्या असर हो सकता है ।

क्या आप जानते थे कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवनकाल में कम से कम दस हज़ार दूसरे लोगों को प्रभावित करता है? इसलिए सवाल यह नहीं है कि क्या आप किसी को प्रभावित करेंगे, बल्कि यह है कि आप अपने प्रभाव का *कैसा* इस्तेमाल करेंगे । यह पुस्तक इस तरह तैयार की गई है कि आपको अपनी नेतृत्व योग्यता बढ़ाने में मदद मिले और आपकी व्यक्तिगत तथा संगठनात्मक सफलता में बढ़ोतरी हो सके । चाहे आपकी इच्छा कारोबार खड़ा करने की हो, अपने बच्चों को सशक्त बनाने की हो या संसार तक पहुँचने की हो, उसे हासिल करने का पहला कदम है । नेतृत्व के अपने स्तर को ऊपर उठाना ।

सर फ़्रांसिस बेकन ने कहा था कि ज्ञान ही शक्ति है । जब वे जीवित थे और जब कम जानकारी उपलब्ध थी, तब यह सच हो सकता था । लेकिन आज यह कहना ज़्यादा सही होगा कि ज्ञान सशक्त करता है – बशर्ते आपको इसकी ज़रूरत हो । मेरी इच्छा आपको सशक्त बनाने और अगले स्तर पर देखने की है ।

खंड 1

लीडर का विकास

1

मुझे लीडर के रूप में विकास क्यों करना चाहिए?

नेतृत्व जितना ज़्यादा ऊँचा होता है,
प्रभावशीलता उतनी ही ज़्यादा होती है।

मैं अक्सर अपने नेतृत्व सम्मेलन की शुरुआत में ढक्कन के नियम को बताता हूँ, क्योंकि इससे लोगों को नेतृत्व का महत्त्व समझ आ जाता है । अगर आप इस सिद्धांत में महारत हासिल कर लें, तो जीवन के हर पहलू पर नेतृत्व के अविश्वसनीय प्रभाव को देखेंगे । यह रहा वह नियम : नेतृत्व योग्यता वह ढक्कन है, जो किसी व्यक्ति की प्रभावकारिता के स्तर को तय करता है । नेतृत्व करने की किसी व्यक्ति की योग्यता जितनी कम होती है, उसकी क्षमता पर लगा ढक्कन उतना ही नीचे लगा होता है । नेतृत्व जितना ऊँचा होता है,, प्रभावकारिता उतनी ही अधिक होती है। मिसाल के तौर पर, अगर 1 0 के स्केल पर आपका नेतृत्व 8 हो, तो आपकी प्रभावकारिता कभी भी 7 से अधिक नहीं हो सकती । यदि स्केल पर आपका नेतृत्व सिर्फ 4 है, तो आपकी प्रभावकारिता से अधिक नहीं हो सकती । चाहे यह अच्छा हो या बुरा, आपकी नेतृत्व योग्यता हमेशा आपकी प्रभावकारिता और संगठन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को तय करती है ।

मैं आपको एक कहानी बताता हूँ, जो ढक्कन के नियम को स्पष्ट करती है । 1930 में डिक और मॉरिस नामक दो युवा भाई अमेरिकी सपने की खोज में न्यू हैम्पशायर से कैलिफ़ोर्निया आए । वे उसी समय हाई स्कूल से निकले थे और उन्हें घर पर कम अवसर नजर आ रहे थे । इसलिए वे सीधे हॉलीवुड की ओर गए, जहाँ उन्हें अंतत : एक मूवी स्टूडियो के सेट पर नौकरी मिल गई ।

उनमें उद्यमिता भाव था और मनोरंजन उद्योग में दिलचस्पी थी । इसकी बदौलत वे हॉलीवुड के उत्तर–पूर्व में लगभग पाँच मील दूर एक कस्बे ग्लेनडेल में एक थिएटर